भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दिनांक : 23.12.2018

आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत में 76 मेडल बंटेंगे

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू का सातवां दीक्षांत 29 दिसंबर को स्वतंत्रता भवन सभागार में आयोजित किया जाएगा। आईआईटी के 17 विभागों के होनहारों को इस बार कुल 76 मेडल के साथ ही 1190 उपाधियां प्रदान की जाएगी। मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. जी संतोष रेड्डी को आमंत्रित किया गया है। आईआईटी के 1190 उपाधियों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पीएचडी, एमटेक, एमफार्मा, आईडीडी, आईएमडी व बीटेक तथा बीफार्मा के विद्यार्थी शामिल है।

खाद्य तेल उत्पादन के लिए नवीन तकनीक जरूरी

वाराणसी | निज संवाददाता

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

- आईआईटी बीएचयू में ऑयल टेक्नो एसोसिएशन का 73वां सम्मेलन
- गुणवत्ता सुधार व नवीन तकनीक की खोज पर विशेषज्ञों का मंथन

खाद्य तेल उद्योग की उत्पादन लागत घटाने के लिए नवीन तकनीक पर विचार करना होगा। वर्तमान समय में भारत खाद्य तेल के उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं है। यह कहना है आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन का। वे शनिवार को केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. गोपाल त्रिपाठी सभागार में ऑयल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन के 73वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं खाद्य तेल उद्योग में गुणवत्ता सुधार विषय पर आयोजित सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।

एसो. के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. आरके द्विवेदी ने देश में खाद्य तेल उद्योग की वर्तमान परिस्थितियों, संभावनाओं व चुनौतियों का ब्यौरा दिया। जेवीएल एग्रो के एमडी सत्यनारायण झुनझुनवाला ने कहा कि इस क्षेत्र में आईआईटी बीएचयू जैसे शैक्षिक संस्थानों को प्रसंस्करण संवर्धन व विभिन्न तकनीकी सुधार के लिए योगदान देना होगा। साप्लेक्स फिल्टर्स इंडिया के एमडी सतीश खडगे को प्रतिष्ठित प्रो. जेजी काणे मेमोरियल पुरस्कार प्रदान किया गया। एसडी थिरुमला स्मृति पुरस्कार आईआईसीटी हैदराबाद की डॉ. केवी पद्मजा को, डॉ. हुसैन जहीर स्मृति पुरस्कार कोलकाता के डॉ. सुराश्री सेन गुप्ता को दिया गया।

'परमाणु ऊर्जा से ही भारत बनेगा चीन के बराबर'

वाराणसी | निज संवाददाता

गोष्ठी

- आयोग के सदस्य ने कहा, परमाणु ऊर्जा भविष्य में बिजली का आधार
- अन्य संसाधनों से भी गुणवत्ता युक्त बिजली उत्पादन पर जोर

हिरोशिमा व नागासाकी पर परमाणु हमले का प्रभाव इतना व्यापक है कि आज भी परमाणु शब्द से ही लोगों के जेहन में खौफ समा जाता है। लेकिन सावधानियों का अनुपालन किया जाए तो इससे कोई दिक्कत नहीं होगी। यह कहना है परमाणु ऊर्जा आयोग के सदस्य पद्मश्री प्रो. आर वी ग्रोवर का। वह शनिवार को आईआईटी बीएचयू के मेकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग की ओर से आयोजित क्रिटिकल हीट फ्लक्स और मल्टीफेज फ्लो विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत को यदि 2050 तक चीन के बराबर प्रति व्यक्ति ऊर्जा खपत के स्तर तक पहुंचना है तो उसे परमाणु ऊर्जा विकास की ओर ध्यान देना होगा। भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद के चेयरमैन शिव अभिलाष भारद्वाज ने कहा कि देश में प्रति वर्ष करीब छह फीसदी बिजली की खपत बढ़ रही है। हर वर्ष 20 फीसदी कोल्ड स्टोरेज भी बढ़ रहे हैं। स्वागत आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. पीके जैन तथा धन्यवाद मैकेनिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष प्रो. एपी हर्षा ने दिया। संगोष्ठी में ब्रिटेन, अमरीका एवं सिंगापुर के वैज्ञानिकों के साथ आईआईटी बीएचयू, आईआईटी मुंबई तथा भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) और भेल के सदस्य रहे।